ISSN - 0973-1628

162

Issue - 162, Vol-XVI (7), September - 2017

www.researchlink.co

A Dream & History Creating Issue
Dedicated to Teachers Day

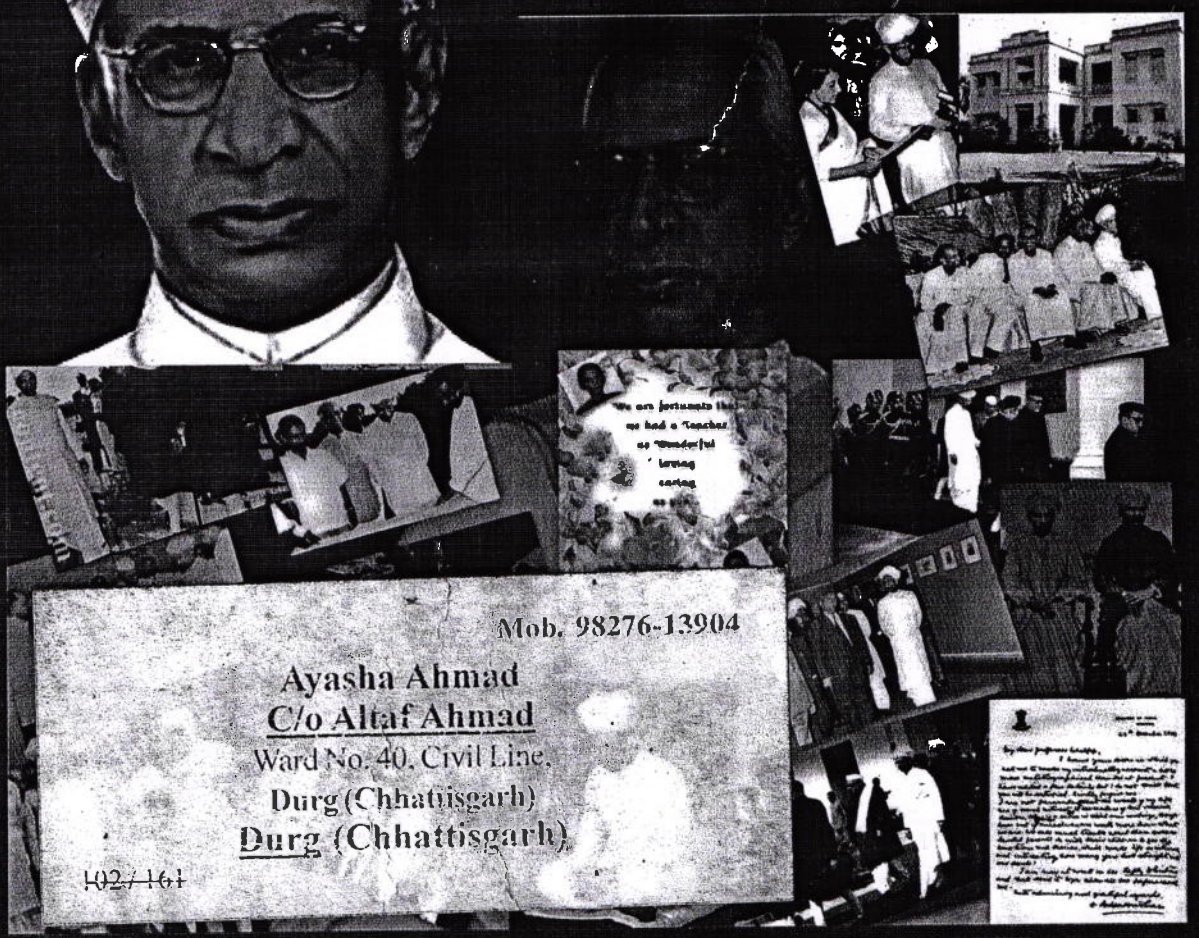

UGC Approved Journal

An International Registered and Referred Monthly Journal

RESEARCH Link

Kala, Samaj Vigyan awam Vanijya

Impact Factor 2.782 2015

₹250/-

: : CIRCULATION : :

Andaman-Nicobar / Bihar / Chattisgarh / Delhi / Goa / Gujarat / Haryana / Himachal / Jammu & Kashmir / Karnataka / Madhya Pradesh / Maharashtra / Punjab / Rajasthan / Sikkim / Uttar Pradesh / Uttranchal / West Bengal

5

LAW

- Mimamsa Principles of Interpretation : A Legal Hermeneutics
  KESHAV JHA (130)....91

LIBRARY SCIENCE

- E-Library : Information Treasure
  DR. YOGINI DHAKAD (115)....94

POLITICAL SCIENCE

- सुशासन एवं मानवाधिकार
  डॉ.आरती तिवारी (74)....97
- धमतरी जिले के नगरी विकासखण्ड की कमार जनजाति की सामाजिक-राजनैतिक समस्याएँ एवं समाधान के उपाय
  डॉ.अजय चन्द्राकर एवं कु.शफिकुन्निसा खान (104)....99
- मतदान के समय मतदाताओं का व्यवहार
  डॉ.आयशा अहमद एवं डॉ.एन.के.वैष्णव (70)....102
- मतदाता जागरुकता : एक विश्लेषण (छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिला के ग्राम रामपुर के विशेष संदर्भ में)
  डॉ.(श्रीमती) नागरत्ना गनवीर (97)....104
- सूचना का अधिकार : मौजूदा परिदृश्य
  डॉ.सुभाष चंद्राकर एवं ज्योत्स्ना वैष्णव (80)....106

SOCIOLOGY

- तृतीय लिंग की सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (छत्तीसगढ़ राज्य के महासमुन्द जिले के विशेष संदर्भ में)
  डॉ.जया ठाकुर (87)....109

ARTS & HUMANITIES

DRAWING

- चित्रकला के उद्भव और विकास में कल्पना का योगदान
  डॉ.(श्रीमती) वीणा चौबे (HHH)....111

ENGLISH LITERATURE

- Sheikh Mohammad Abdullah - A Nationalist at Heart
  S. M. SHAFI BHAT (95)....113
- Slavery Suffering and Violence in Toni Morrison's *Paradise*
  DR. ARADHANA GOSWAMI (77)....115
- Anita Desai and Arun Joshi As An Existentialist
  DR. DHALESH KUMAR PATEL (56)....117

HINDI LITERATURE

- बाजारवादी जीवन शैली और हिन्दी भाषा
  डॉ.अमित शुक्ल (35)....119
- 'दोहरा अभिशाप' में निहित दलित चेतना
  राजेन्द्र कुमार एवं डॉ.वंदना कुमार (88)....121
- प्रेमचन्द पूर्व के उपन्यासों का शिल्पगत वैशिष्ट्य
  डॉ.धर्मेन्द्र कुमार शुक्ल (92)....124
- जन कवि मुक्तिबोध के काव्य में सामाजिक-संघर्ष
  डॉ.अब्दुर्रहीम (116)....127
- हबीब तनवीर के रंगकर्म में अनुस्यूत छत्तीसगढ़ी लोक
  डॉ.वंदना कुमार (110)....130
- विवेकानंद और नारी जागरण
  डॉ.अनुसूया अग्रवाल (85)....132
- स्वामी विवेकानंद : एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व
  डॉ.अरुणा चोपड़ा (86)....135

PHILOSOPHY

- Relevance of Gandhian Social Evils for The Present Social Context : A Study
  DR. N. MALLIKARJUNA (137)....137

SANSKRIT LITERATURE

- ऋग्वेद-प्रातिशाख्य में विहित संज्ञाएँ : एक अध्ययन
  डॉ.अजय कुमार (49)....140
- अर्वाचीनसंस्कृतसाहित्यसर्जना
  शीतल चन्द्र शर्मा (106)....144
- 'मेघदूतम्' में सांस्कृतिक एवं धार्मिक पर्यावरण का स्वरुप
  संतोष कुमार अहिरवार एवं डॉ.एस.एस.गौतम (113)....147

MULTIDISCIPLINARY (MISC)

RESEARCH PAPER

- Materialism Crashing Chidhood Satisfaction
  DR. VANITA GANDOTRA KHANIJO (75)....150
- Natural Resources and Sustainable Development
  DR. PARUL MALIK (114)....153
- ग्रामीण भारत : विकास की ओर
  डॉ.विम्मी बहल एवं डॉ.अनिल शिवानी (91)....155

UGC - APPROVED - JOURNAL

UGC Journal Details

Name of the Journal:	Research Link
ISSN Number:	09731628
e-ISSN Number:	
Source:	UNIV
Subject:	Accounting;Anthropology;Business and International Management;Economics, Econometrics and Finance(all);Education;Environmental Science(all);Finance;Geography, Planning and Development;Law;Political Science a;Social Sciences(all)
Publisher:	Research Link
Country of Publication:	India
Broad Subject Category:	Arts & Humanities;Multidisciplinary;Social Science

Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm. College
DURG (C.G.)

UGC Approved Journal
Research Link
Since March 2002
An International, Registered & Referred Monthly Journal : **Political Science**
Research Link - 162, Vol - XVI (7), September - 2017, Page No. 102-103
ISSN - 0973-1628 ■ RNI - MPHIN-2002-7041 ■ Impact Factor - 2015 - 2.782

मतदान के समय मतदाताओं का व्यवहार

प्रस्तुत शोधपत्र, मतदान के समय मतदाताओं के व्यवहार से सम्बंधित है। वैसे मतदान के समय मतदाताओं के व्यवहार को समझना एक कठिन कार्य है, क्योंकि यह विभिन्न प्रकार के बाह्य एवं आंतरिक कारकों द्वारा प्रभावित होता है। साथ ही विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाताओं के आचरण में बहुत अंतर भी होता है। मतदाताओं के व्यवहार को जानना कठिन यूं भी है, क्योंकि अधिकांश उत्तरदाता इससे सम्बंधित प्रश्नों का उत्तर सही नहीं देते तथा अपने दलीय सम्बंधों को बताने में संकोच करते हैं। अमेरिका, इंग्लैण्ड सहित अन्य पश्चिमी देशों में प्रत्येक आम चुनाव के बाद मतदाताओं के व्यवहार का अध्ययन किया जाता रहा है, ताकि यह जाना जा सके कि व्यक्ति का मतदान व्यवहार क्यों और कैसे प्रभावित होता है। मतदान व्यवहार सम्बंधी सभी अध्ययनों का प्रमुख उद्देश्य यही रहता है कि मतदाता मतदान करते समय किस तथ्य से सर्वाधिक प्रभावित होता है और वे कौन-कौन सी बातें हैं, जो किसी मतदाता को किसी उम्मीदवार विशेष को वोट देने के लिए प्रेरित करती हैं।

डॉ.आयशा अहमद एवं डॉ.एन.के.वैष्णव

प्रस्तावना :

भारतीय लोकतंत्र में व्यस्क मताधिकार का प्रावधान किया गया है। इसका प्रयोग करते समय अनेक कारकों से प्रभावित होते है। ये कारक समयान्तराल में परिवर्तित होते रहते हैं। इन परिवर्तनशील कारकों का विश्लेषण करके मतदान के समय मतदाताओं के मतदान व्यवहार को समझा जा सकता है।

सामाजिक, आर्थिक परिवेश एवं मतदान व्यवहार :

भारत में ही नहीं, अपितु सभी देशों में जहाँ मतदान होता है, मतदान आचरण निर्वाचन क्षेत्र, राज्य विशेष तथा वहाँ रहने वाले मतदाताओं के सामाजिक आर्थिक परिवेश द्वारा प्रभावित होता है। भारतीय चुनावों में विभिन्न क्षेत्रों के सामाजिक–आर्थिक परिवेश का प्रभाव स्पष्ट देखा जा सकता है। चुनाव के समय स्थानीय सामाजिक–आर्थिक परिस्थियॉं मतदान प्रतिमानों एवं राजनीतिक संलग्नता को प्रभावित करती है।

मतदान व्यवहार के अध्ययन का महत्व :

मतदान व्यवहार का अध्ययन राजनीतिक विज्ञान का एक महत्वपूर्ण अंग है। इसके लिए व्यवहारवादी दृष्टिकोण संयुक्त किया गया है। मतदान व्यवहार का अध्ययन व्यवहारवादी राजनीति से शुरूआत मानी जाती हैं। व्यक्तिगत तौर पर मतदान व्यवहार जो राजनीतिक व्यवहार को दर्शाता है, का मतदान के समय अध्ययन किया जा सकता है। आधुनिक राजनीतिक शास्त्री यह व्याख्या करते हैं कि व्यक्ति एवं समुह राजनीतिक शक्ति के लिए प्रयास, उसे प्राप्त करने तथा प्राप्त करने का उपयोग करने के लिए प्रयत्नशील रहते हैं। उनका लक्ष्य स्थिरता को प्राप्त करना है। नवीन राजनीति विज्ञान का लक्ष्य उन नियमितताओं को स्पष्ट करना है, जो व्यक्तियों एवं मानवीय समूहों की राजनीतिक गतिविधियों एवं राजनीतिक दृष्टिकोण में व्याप्त है।

मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारक :

एक मतदाता के तौर पर वह अपनी राजनीतिक और सामाजिक श्रेष्ठता का मतदान करते समय ध्यान रखता है। कभी–कभी वह दूसरों की इच्छाओं के अनुसार भी कार्य करता है। जैसे बड़े लोग सम्मानीय व्यक्ति और प्रभावशाली नेता उसके निर्णय को बदल देते है। विभिन्न पार्टियों के प्रति मतदाता की राजनीतिक टिप्पणी नेताओं और पार्टियों द्वारा निर्धारित कर दी जाती है और अन्य नेताओं की राय भी प्रभावित करती है। कभी–कभी वह मतदान के समय प्रत्याशी का चयन करने में तत्काल निर्णय नहीं ले पाता है। बल्कि पार्टी की रूपरेखा और घोषणा पत्र द्वारा प्रभावित हो जाता है। उनमें से अधिकांश मतदाता को अपने प्रयासों के आधार पर सजग हो जाता है, और दूसरे दलों की लहर के पक्ष में प्रत्याशी या पार्टी के तौर पर अपना निर्णय बदल देते है।

चुनाव तथा मतदान व्यवहार :

मतदान व्यवहारय से तात्पर्य एक मतदाता की उस चुनाव व्यवहार से है, जिसका प्रदर्शन चुनाव अभियान या मतदान में करता है। प्रजातंत्र व्यवस्था में मतदान व्यवहार का अध्ययन हुआ, लेकिन मतदान व्यवहार का सर्वसम्मत सिद्धांत नहीं खोजा गया, जिसमें कई बाधाएँ हैं। जैसे चुनाव अध्ययन में राजनीतिक, सामाजिक एवं वातावणीय तत्वों का अध्ययन नहीं कियॉं जाता है। एक चुनाव क्षेत्र के अध्ययन निष्कर्ष दूसरे चुनाव क्षेत्र पर लागू नहीं हो पाते हैं। मतदान व्यवहार को कई तत्व प्रभावित करते हैं। जैसे वातावणीय तत्व जिसमें प्राकृतिक वातावरण के अंतर्गत पहाड़, नदी–नाले, वर्षा,

सहायक प्राध्यापक (राजनीति विज्ञान विभाग), सेठ आर.सी.एस.कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, दुर्ग (छत्तीसगढ़)

Seth R.C.S. Arts & Commerce College Dhamtari (C.G.)
Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm. College
DURG (C.G.)

5

तूफान आदि तथा सामाजिक वातावरण में हम आर्थिक राजनैतिक, सांस्कृतिक आदि परिस्थितियाँ शामिल है। राजनीतिक तत्व के अंतर्गत प्रत्याशी की योग्यता, दलीय आस्था मुद्दों संबंधित अनुस्थापन आदि तत्व शामिल है। आम चुनाव में सामाजिक कारक मतदान व्यवहार को प्रभावित करने मे सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मतदान – समस्याएँ एवं समाधान :

मतदान, सरकार चुनने हेतु वह अधिकार है, जो प्रत्येक व्यक्ति जिसकी आयु 18 वर्ष की है को प्राप्त है। मतदान हेतु जागरूकता अनिवार्य है। सही उम्मीदवार को वोट देना हमारा कर्त्तव्य है ताकि सही व्यक्ति को उस की योग्यतानुसार पद प्राप्त हो। देश का विकास तभी संभव है जब हमारी सोच सार्थक होगी और विवेकशीलता के साथ हम निर्णय लें।

प्रजातंत्र शासन की सर्वोत्तम प्रणाली है, मजबूत लोकतंत्र हेतु सबकी भागीदारी आवश्यक है। प्रजातंत्र जनता का व जनता के लिए, उसके हितों व कल्याण कार्यों के लिए बनाई गयी है। सरकार सही चुना जाए उसके लिए सभी को मतदान करना आवश्यक है।

प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह किसी भी वर्ग, जाति, लिंग का हो, मतदान सरकार द्वारा दिया गया वह अधिकार है, जो सबके लिए समान है। सही प्रत्याशी नेता बने, सही सरकार चुनी जाए तभी देश हित में विकास कार्य संभव है।

प्रजातंत्र एवं मतदान व्यवहार :

आधुनिक युग लोकतंत्र का युग है और लोकतंत्र के इस युग में मतदान व्यवहार का विशेष महत्व है। प्रत्येक लोकतांत्रिक और यहाँ तक कि अलोकतांत्रिक देशों में भी नागरिकों को मतदान का अधिकार दिया गया है। इसके लिए प्रायः एक निश्चित आयु का होना आवश्यक है। जैसे भारत में मतदान का अधिकार उस व्यक्ति को दिया जाता है जो 18 वर्ष अथवा इससे अधिक आयु प्राप्त कर लिया हो। नागरिक मतदान करते समय जिन तत्वों से वशीभूत होते हैं, अर्थात् प्रभावित होते हैं, उसे मतदान व्यवहार कहा जाता है। मतदान व्यवहार में न केवल मतदान करने वाले नागरिकों का अपितु मतदान न करने वाले नागरिकों का भी अध्ययन किया जाता है।

मतदान व्यवहार से हमारा आशय यह है कि मतदाता अपना मत देते समय कौन–कौन से कारणों अथवा स्थितियों से प्रभावित होता है। मतदाता के निर्णयकारी क्षमता को परिवर्तित अथवा प्रभावित करने वाले तत्व ही मतदान व्यवहार कहलाते है। प्रसिद्ध राजनीतिक विचारक काका कालेलकर का कथन है कि, "मतदाताओं को चाहिए कि प्रतिनिधि को उसी दृष्टि से चुने जिस दृष्टि से हम मरीज के लिए डॉक्टर को चुनते हैं। लेकिन खेद का विषय यह है कि भारतीय मतदाता ईमानदारी से मतदान नहीं करता। वह आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक इत्यादि तत्वों से प्रभावित होकर मतदान करता है।

निष्कर्ष :

भारत विश्व का सबसे अधिक मतदाताओं एवं राजनैतिक दलों वाला देश है। यहाँ मतदाता के व्यवहार का अध्ययन करना एक कठिन समस्या है, क्योंकि अधिकांश उत्तरदाता इससे सम्बंधित प्रश्नों का उत्तर सही नहीं देते तथा अपने दलीय सम्बंधों को बताने में संकोच करते हैं। प्रथम आम चुनाव से लेकर आज भारत में मतदाताओं की संख्या लगातार तेजी से बढ़ती जा रही है। अमेरिका, इंगलैण्ड सहित अन्य पश्चिमी देशों में प्रत्येक आमचुनाव के बाद मतदाताओं के व्यवहार का अध्ययन किया जाता रहा है ताकि यह जाना जा सके कि व्यक्ति का मतदान व्यवहार कब, क्यों और कैसे प्रभावित होता है। मतदान व्यवहार सम्बन्धी सभी अध्ययनों का प्रमुख उद्देश्य यहीं जानना रहता है कि मतदाता वोट देते समय किस तथ्य से सर्वाधिक प्रभावित रहता है और वे कौन–कौन सी बातें हैं, जो किसी मतदाता को किसी उम्मीदवार विशेष को वोट देने के लिए प्रेरित करती है।

संदर्भ :

(1) कर्लिजर एंड टी (1980) : रिसर्च मेथडोलॉजी, लंदन ऑक्सफॉर्ड।

(2) भाम्मरी, सी.वी. : पॉलिटिक्स इन इंडिया, 1947–1987, नई दिल्ली।

(3) भंडारी, कुसुमलता (1988) : इंडियन इलेक्टोरियल रिफॉर्म्स, नई दिल्ली, इलेक्शनय आर्किगन।

(4) कोठारी, रजनी (1970) : कास्ट इन इंडियन पॉलिटिक्स, पूना संगम प्रेस।

(5) गोयल, ओ.पी. (1981) : कास्ट एडं वोटिंग बिहेवियर, रितु पब्लिशर्स, दिल्ली।

(6) अखिल भारतीय सर्वसेवा अलेक्संस एंड डेमोक्रेसी, वाराणसी, 1957.

❁❁

UGC Journal Details

Name of the Journal :	Research Link
ISSN Number :	09731628
e-ISSN Number :	
Source:	UNIV
Subject:	Accounting;Anthropology;Business and International Management;Economics, Econometrics and Finance(all);Education;Environmental Science(all);Finance;Geography, Planning and Development;Law;Political Science a;Social Sciences(all)
Publisher:	Research Link
Country of Publication:	India
Broad Subject Category:	Arts & Humanities;Multidisciplinary;Social Science

Print

Principal
Seth R.C.S. Arts & Comm
College Durg (C